Mentorship Program
Mukherjee Nagar

dṛṣṭi The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate:	प्रेमसिंह मीना	Subject/Code:	Essay
UPSC Roll No:	1132556	Date:	
Drishti Id:		E-mail Id:	
Centre:	M.N.	Medium:	Hindi

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)

	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online	Offline		

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback

Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय और संलग्नता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ सरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और प्रतिस्थापन के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substiation	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें।* ***प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: **(125 × 2 = 250)**

खंड-A/SECTION-A

Topic: १. सत्ता इंसान को भ्रष्ट करती है और पूर्ण सत्ता इंसान को पूरी तरह भ्रष्ट कर देती है"

"कनक कनक ते सौ गुना मादकता अधिकाई।
वा खाये बौराय जग या पाये बौराय॥"

"बिहारी"

बिहारीलाल का यह दोहा वर्तमान सत्ता व सोने के मध्य सम्बंध को स्पष्ट करता है। जिस तरह स्वर्ण अर्थात धन पाने से मनुष्य मुग्धता में खो जाता है उसी तरह ~~सत्ता~~ का प्रभाव सत्ता सुख की प्राप्ति पर होता है। हिटलर ने अपने ~~आर~~ प्रारम्भिक जीवन में काफी संघर्ष किया तथा

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गरीबी व शोषण परक बचपन के अनुभव होने के बावजूद वह जैसे ही सत्ता की सीढ़िया चढ़ा और उसकी सनक ने विश्व को द्वितीय महायुद्ध के दल-दल में धकेल दिया। यह जो सनक थी वह क्या थी? क्या यह सत्ता के अधिकार में चूर अभिमान था या फिर पूर्ण सत्ता के अहम का आत्म-भ्रष्टाचार। ~~अब~~

अब एक लाज़िमी प्रश्न हमारे मन में उठता है कि क्या सत्ता व्यक्ति को भ्रष्ट बनाती है? तथा दूसरा प्रश्न यह उठता है कि पूर्ण सत्ता क्या है और यह कैसे पूरी तरह भ्रष्ट बना देती है अब अंतिम प्रश्न यह कि क्या ऐसा भी हो सकता है जब व्यक्ति के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

पाना पूर्ण सत्ता है परन्तु उन स्थिति में भी क्या वह नैतिक हो सकता है?

सत्ता व भ्रष्टाचार के सम्बंध को यदि हम ऐतिहासिक सन्दर्भ में देखें तो हम पायेंगे की ऐसे बहुत से उदाहरण है जहा सत्ता व शक्ति मिलते ही व्यक्ति भ्रष्टाचार में डूब गया। यहाँ भ्रष्टाचार का मतलब केवल वित्तीय भ्रष्टाचार नही है सत्ता व पूर्ण सत्ता के अर्थ का मतलब है जवाबदेहिता का अभाव। और प्रमुख उदाहरणों को देखे तो हिटलर, मुसोलिनी, किम जोंग उन, रावर्ट मुगाबे, कर्नल गद्दाफी, व सद्दाम हुसैन प्रमुख है

यदि हम मिथिकिय दृष्टिकोण से देखें तो रावण की सत्ता मोहान्धता व गैर-जवाबदेहिता पूर्ण आचरण ने सम्पूर्ण लंका को नष्ट करवा दिया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

था। उसी तरह हिरण्यकश्यप, कंस इत्यादि का आचरण रहा।

अब अगर हम राजनीति के क्षेत्र में देखें तो लोकतंत्र की स्थापना के नाम पर आंदोलन करने वाले नेताओं ने एक समय पश्चात उसी लोकतंत्र को समाप्त कर दिया जिनमें- ईरान, ईराक, अरब स्प्रिंग क्रांति को देखा जा सकता है।

यदि भारतीय सन्दर्भ में बात करें तो सांसदों व विधायिकों पर चल रहे घृणित व आपराधिक मुकदमों को देख सकते हैं तथा इंदिरा गांधी के समय के पूर्णसत्ता की सरकार द्वारा लगाया गया आपातकाल की विभिषिका में सत्ता व पूर्ण सत्ता द्वारा इंसान को भ्रष्टाचारी बनाने की प्रक्रिया देखी जा सकती है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अब यदि बात करें प्रशासनिक क्षेत्र की तो देश सेवा का प्रण लेकर सिविल सेवा में आने वाले ~~अधि~~ बहुत से अधिकारी आये दिन भ्रष्टाचार के मामलों में पकड़े जाते है। जिनमें पूजा सिंघल, यादव सिंह, 2G. स्पेक्ट्रम घोटाला, पूजा खेडकर इत्यादि प्रमुख है सत्ता का अभिमान ही है जो इन अधिकारियों को बेखौफ ऐसे आचरण करने को बाध्य करता है।

प्रशासन ही नहीं यदि बात करें फिल्मों और मनोरंजन की दुनिया की तो एक समय संघर्ष करने वाले निर्माता - निर्देशक व फिल्मकार सफल होकर जैसे ही शक्तिशाली बनते है वे दूसरों का शोषण करना आरम्भ कर देते हैं; जिन्हें हम हालीवुड के मी.टू कैम्पेन से लेकर बालीवुड के कास्टिंग काउच व ~~व~~ नेपोटिज्म के मामलों में देख सकते है। यह

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सब सत्ता द्वारा किया गया शमन ही है।

सत्ता तथा व्यक्ति का भ्रष्ट होना पर्यावरण पर भी खतरनाक प्रभाव डाल रहा है जैसे ही मनुष्य ने प्रकृति पर विजय पाकर अपनी सत्ता स्थापित की उसने प्रकृति का शोषण आरम्भ कर दिया। यद्यपि प्रकृति सभी मनुष्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है जैसा की महात्मा गांधी जी ने कहा। परन्तु मनुष्य की उपभोगवादी प्रवृत्ति ने आज पर्यावरण संकट, ग्लोबल वार्मिंग, महामारियां, अंतरिक्ष में सैटेलाइट कचरा, जलप्रदूषण, प्रजाति विलोपन इत्यादि संकटों को उत्पन्न कर दिया है यह इंसान को सत्ता द्वारा प्रेरित भ्रष्टाचार का ही परिणाम है।

यदि हम एक वैज्ञानिक सत्ता की बात करे तो जिन देशों ने विज्ञान में अच्छी तरक्की की है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

वे पिछड़े व अल्पविकसित देशों को अपनी शक्ति के दम पर डराते-धमकाते रहते हैं। इसे हम हिरोशिमा व नागासाकी पर अमेरिका परमाणु हमले, चीन द्वारा पड़ोसियों को दी जाने वाली धमकियाँ व रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के आलोक में देख सकते हैं।

जब किसान की बात चली है तो समाज व सत्ता का सम्बन्ध देखना भी जरूरी है। महिलाओं के नजरिये से देखें तो पुरुषसत्तावादी समाज ने हमेशा महिलाओं का शोषण ही किया है चाहे वह तालिबान द्वारा महिलाओं को बुर्के में ढकना हो या अलाउद्दीन खिलजी द्वारा चित्तौड़ में मारकाट मचाना व जौहर के लिए ~~[crossed out]~~ महिलाओं की मजबूरी। न केवल महिलाओं का आदिकाल से जो सत्ता में आया है उसने कमजोर वर्ग का शोषण ही किया है —

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बस रूप व तरीका बदला है - वर्णव्यवस्था, ~~जातिय~~ जातीय शोषण, लैंगिक शोषण हो या फिर आजकल आधुनिक शहरी वर्ग/नगर समुदाय में कर्नाटक में किसान को धोती पहनने पर माल में घुसने से रोकना। सब जगह एक बात कॉमन है और वह है सत्ता व पूर्ण सत्ता द्वारा स्थापित भ्रष्टाचार।

अब प्रश्न उठता है कि क्या सत्ता हमेशा व्यक्ति को भ्रष्ट और पूर्णतः भ्रष्ट करती है तो उत्तर है 'नहीं'। क्यों ऐसे बहुत से उदाहरण है जो सत्ता मिलने अपने कर्तव्यों व जनकल्याण के कार्यों में अनवरत लगे रहे। यदि मिथकिय व धार्मिक सन्दर्भ में देखे तो 'भगवान राम' पूर्ण सत्ता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्राप्ति के पश्चात 'राम राज्य' की स्थापना करते है।

" दैविक, दैहिक भौतिक तापा
राम राज काहु नही व्यापा।"

उसी तरह इतिहास में देखे तो सम्राट अशोक कलिंग विजय पश्चात हिंसा के रास्ते को छोड़कर 'धम्म' व अहिंसा की नीति को अपनाते है।

आधुनिक सन्दर्भ में देखे तो नेलसन मंडेला द्वारा रंगभेद को मिटाने तथा अब्राहम लिंकन द्वारा दास प्रथा को मिटाने का संकल्प व लगातार कार्य। ऐसे उदाहरण जो दुर्गमता के बावजूद भी इसी तरह नैतिक बने रहे।

उसी तरह परमाणु शक्ति का प्रयोग मानव विनाश व ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ चिकित्सा क्षेत्र में लोगो का प्रयास भी दिखाता है कि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

सत्ता हमेशा भ्रष्ट नहीं बनाती है

निष्कर्षत: यदि हमें एक समावेशी, सशक्त व खुशहाल समाज की स्थापना करनी है तो हमें पूर्ण सत्ता के साथ जवाबदेहिता व शक्तियों का पृथक्करण करना जरूरी होगा। ताकि शक्ति किसी एक व्यक्ति व संस्थान में न रहकर मानवमात्र की भलाई के लिए कार्य कर सके। जिससे 'सर्वे भवन्तु सुखिन्ह' व सतत विकास की अवधारणा को हम प्राप्त कर सकें। तथा आधुनिक वैश्विक गाँव की जाति मं सके। जिस तरह के रामराज्य व लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य का सभी नागरिकों का सपना होता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उनकी पूर्ति के लिए नैतिक सद्गुणों को बचपन से ही व्यक्ति के चरित्र में रोपित कर के हम सत्ता के मनुष्य पर पड़ने वाले अंधेरे को मिटा सकते हैं ताकि विश्व को दुर्दान्त विभीषिकाओं से बचाया जा सके और अन्त में सत्ता व पूर्ण सत्ता से पनपने वाले अत्याचार को हम भगवान बुद्ध के 'मध्यम मार्ग' गीता के स्वधर्म व कान्ट के कर्तव्य करने की धारणा से मिटा सकते हैं ताकि इस धरती को सुन्दर, खुशहाल व विकसित बनाकर 'सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास' के लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Topic: 8. अतीत वर्तमान की अपेक्षा भविष्य के लिए बेहतर मार्गदर्शक है।"

महाराष्ट्र में एक गरीब महार जाति में पैदा हुआ एक बच्चा जिसने बचपन से भेदभाव, गरीबी और अत्याचारों को देखा। इन सब घटनाओं को देखने के पश्चात जब वह बालक बड़ा होकर भारत के संविधान की रचना करता है तो उसकी प्राथमिकता रहती है कि भविष्य उस तरह के अत्याचार, भेदभाव व कठिनाईयां आने वाली पीढ़ियां ~~नहीं~~ को न झेलनी पड़े। यह बालक कोई और डा. भीमराव अम्बेडकर थे। जो ~~~~ भारत के संविधान में ऐसे प्रावधान करता है कि जन्म के आधार पर जो भेदभाव

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

व छुआछूत होती तो समाप्त हो
जाते। जिन्हे हम भारतीय संविधान
के मूल अधिकार, मूल कर्तव्य, व
नीति निर्देशक तत्वों में देख सकते है
डा. अम्बेडकर ने जो विशेष
प्रावधान किये उसका कारण था
अपने अतीत के अनुभव। अब यह
प्रश्न उठता है कि अतीत कैसे
भविष्य के लिए मार्गदर्शन का
काम करता है? और क्या अतीत
वर्तमान से बेहतर मार्गदर्शक है?
तथा अंतिम प्रश्न है कि
अतीत और वर्तमान में से कौन
ज्यादा बेहतर मार्गदर्शन करता है?

सर्वप्रथम तो हमें यह
समझना होगा की अतीत है क्या?
शाब्दिक अर्थ में देखे तो अतीत का
मतलब है हमारी सभ्यता का इतिहास

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

जिसका हमें ज्ञान है। अब बात करते हैं मार्गदर्शन की अर्थात हमारे प्रश्न की कि अतीत ~~वर्तमान~~ से कैसे वर्तमान की अपेक्षा भविष्य का बेहतर मार्ग दर्शक है।

ऐतिहासिक संदर्भ में देखें तो भारतीय समाज में बाल विवाह, सतीप्रथा, अस्पृश्यता, लैंगिक विभेद, राजतंत्र, युद्धों की विभीषिका, धार्मिक कट्टरता, साम्प्रदायिकता जैसी अनेक कुरीतियां प्रचलन में थी जिन्हें हमने स्वतंत्रता पश्चात भारतीय संविधान में कारण की समानता व समान व्यवहार के माध्यम से समाप्त किया। तथा सती प्रथा निषेध अधिनियम, बालविवाह निषेध अधिनियम, धर्मनिरपेक्षता जैसे मूल्यों की स्थापना द्वारा एक सुनहरे भविष्य की परिकल्पना की। यह परिकल्पना हमारे अतीत के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनुभवों से ही निकली थी।

वैश्विक स्तर पर देखें तो प्रथम व द्वितीय विश्व युद्धों की विभीषिका के पश्चात ही वैश्विक शांति के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ तथा जापान पर परमाणु हमले की त्रासदी के गर्भ से CTBT व परमाणु हथियार निःशस्त्रीकरण के आदर्श पैदा हुए। ये सब हमारे अतीत का ही फल है।

इसी तरह यदि पर्यावरण की बात करें तो पेरिस जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, जैव विविधता अभिसमय, पृथ्वी सम्मेलन, G20 में क्योटो प्रोटोकॉल संगठन, अंतरराष्ट्रीय सोलर गठबंधन इत्यादि का गठन हमने औद्योगिक क्रांति के पश्चात मनुष्य द्वारा किये गये प्रकृति के विनाश व

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शोषण से उत्पन्न ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण प्रदूषण एवं बढ़ते मरुस्थली जलनता को रोकने के लिए ही किया ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ व स्वस्थ पृथ्वी हम दे सकें नहीं तो मेसोपोटामिया व सिंधु सभ्यता की तरह ~~मानव~~ आधुनिक सभ्यता भी अतीत में खो सकती है।

यदि सामाजिक स्तर पर देखें तो आदिम बर्बरता युक्त मानव से लेकर आधुनिक विश्व-बंधुत्व की अवधारणा तक के मानव का विकास अतीत के सीखे गये ज्ञान से ही हुआ है जो आदिम कबीलों से लेकर राजतंत्र फिर लोकतंत्र और अब वैश्विक विलेज तक आ पहुंचा है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो कबीर, मीरा, दादू, नानक, जायसी, द्वारा धार्मिक आडम्बरों व लिंगभेद का विरोध करने की घटना अब अम्बेडकर, गांधी, पटेल, नेहरू, से होते हुए वर्तमान लोकतंत्रात्मक समाजवादी युग में नारीवाद, दलित पैंथर, पर्यावरणवाद, पशु अधिकार दलों तक आ पहुँची। यह हमारे पूर्वजों द्वारा किये गये संघर्ष का परिणाम ही था।

सांस्कृतिक क्षेत्र के देखें तो अतीत ने हमें विरासत, मूर्तिकला, मंदिर, स्थापत्य, मस्जिद, गिरिजाघर, नृत्य, महाकाव्य इत्यादि प्रदान किये हैं जिनके आधार पर हम भविष्य की नीतियों को निर्धारित कर सकते हैं जैसे- खजुराहो के मंदिरों के निर्मित यौन सम्बंधी चित्र हमें वास्तिकता के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~पूर्ण~~ पूर्ण विकास की ओर प्रेरित करते है जो आज - LGBTQ तथा महिलाओं के अधिकारों के रूप के उभर कर सामने आये है

विज्ञान व स्वास्थ्य के क्षेत्र मे देखें तो एक समय प्लेग, टी.बी, हैजा, मलेरिया, इत्यादि बीमारियां महामारियों के रूप में आती थी परन्तु आज विज्ञान के विकास ने अतीत से प्रेरणा लेकर मानव जीवन प्रत्याशा को बढ़ा दिया है

अब बात आती है कि अतीत हमेशा वर्तमान से बेहतर मार्गदर्शक होता है तो इसका उत्तर है 'नहीं'। इसे हम अफगानिस्तान से समझ सकते है जहाँ 1970 के दशक में वहाँ महिलाओं को पूरी आजादी थी वहीं आज अफगानिस्तान में महिलाओं का जीवन नारकीय है

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this mar[gin])

इसी तरह भारतीय अतीत में योग व आयुर्वेद अत्यन्त विकसित थे परन्तु हमने उनका इतना प्रयोग भविष्य के लिए नहीं किया। ये तब हुआ जब वर्तमान में ~~कोविड महामारी~~ का प्रकोप हमने देखा। और आज पूरा विश्व सुखद भविष्य के लिए ~~[illegible]~~ योग व आयुर्वेद को लेकर लगातार रणनीतियाँ बनाने में मशगूल है।

इसी तरह स्वच्छता का मूल्य हमारे अतीत में भी था परन्तु वर्तमान 'स्वच्छ भारत अभियान' के पश्चात स्वच्छता को लेकर लोगों की अभिवृत्तियों में परिवर्तन आया है।

यदि विज्ञान के क्षेत्र में विशेषतः अंतरिक्ष, रोबोटिक्स, कम्प्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रसायन, बायोटेक्नोलॉजी में मिलती

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रगति हमने वर्तमान में भी है जैसी अतीत में नहीं थी। अतः भविष्य के वैज्ञानिक खतरों से बचने के लिए हमे वर्तमान चैट GPT, नाई, बायोनिक मनुष्य व डिजाइनिंग बेबी, अंतरिक्ष युद्ध, कैसलर सिन्ड्रोम को ध्यान में रखकर रणनीतियाँ बनानी होगी।

विज्ञान व कम्प्यूटर के विकास ने शासन व प्रशासन का कार्य भी अधिक जटिल का दिया है क्योंकि वर्तमान साइबर अपराध, फेक न्यूज, सोशल मीडिया, हैकिंग इत्यादि को ध्यान में रखकर अब अंतर्राष्ट्रीय सहयोग अति आवश्यक हो गया है जो एक समय अतीत में आवश्यक नहीं था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः निष्कर्षतः हम यह मान सकते हैं कि भविष्य के बेहतर मार्गदर्शन के लिए अतीत व वर्तमान दोनों का समान महत्व है क्योंकि ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ आज का वर्तमान ही कल का अतीत होगा। इसलिए हमें मध्यम मार्ग का अनुसरण करते हुए नीति निर्धारण में अतीत व वर्तमान जहाँ से भी मार्गदर्शन मिले लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

कल का वसुधैव कुटुम्बकम आज का वैश्वीकरण है और आज का वैश्वीकरण ही कल का कास्मोपॉलीटिन मानव। जहाँ राष्ट्रीयताओं के बंधन समाप्त होकर सभी के विकास की कहें हो सके।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अंत में इतना ही कहूंगा की
अतीत व वर्तमान एक सिक्के के दो
पहलू है जिस तरह डा. अम्बेडकर ने
अपने व्यक्तिगत अतीत के अनुभवों
द्वारा भेदभाव को समाप्त करके
समानता, स्वतंत्रता व सामाजिक,
राजनीतिक आर्थिक न्याय की नींव
संविधान में रखी। इसी तरह
स्वर्णिम भविष्य की स्थापना हेतु
गुजरे कल व आज का समन्वित
उपयोग करके ही हम भविष्य के
समावेशी, सतत विकसित व उन्नतर
समाज की स्थापना कर सकेंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं ि
चाहिये।
(Candidate must
write on this ma

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अम्बेडकर → महिला शिक्षा
→ जाति व्यवस्था
→ महाड़

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतीत वर्तमान की अपेक्षा भविष्य के लिए बेहतर मार्गदर्शक है

अतीत मार्गदर्शक है
- ऐतिहासिक - स - महिला - सती, विधवा, लैंगिक हिंसा
- राज → युद्ध हिंसा - शांति / सतत विकास, लोकतंत्र
- पर्यावरण - औद्योगिक क्रांति - प्रदूषण / पेरिस समझौता INDC / ग्रीन इकोनॉमी
- विज्ञान - परमाणु बम - विश्वयुद्ध / CTBT / वार्ता
- शिक्षा - विश्व गुरु - वृक्ष रक्षा / → जीवन ... / कुरीति / → प्रणाली संरक्षण
- समाज - कर्मकांड - कबीर / राममोहन राय / → जाति प्रथा → / → नारीवाद - सोना पाल / मार्टिन लूथर / प्रगतिशील चिंतन

वर्तमान की अपेक्षा

वर्तमान से भविष्य बेहतर
नीति
चार्ट

वर्तमान व अतीत दोनों

व्यक्तिगत - स्वयं की गलतियों से सीखना -
सामाजिक ← सौहार्द ... / सुनियोजित ...
देश → आपातकाल / 1962 ... / 44वां संशोधन
विश्व - संयुक्त राष्ट्र / आर्थिक मंदी / योग - बीमारी - कोविड
राजा - रामराज्य

स्वतंत्रता संग्राम - संविधान - लोकतंत्र, मूल अधिकार, नीति निदेशक तत्व, आरक्षण -

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this ma

सत्ता इंसान को भ्रष्ट बनाती है और पूर्ण सत्ता इंसान को पूर्णतः भ्रष्ट बना देती है

सत्ता क्या है?

प्रकार — रा. / सा. / आ. / वि.

परिवार

राजनीतिक क्षेत्र

भगवान - राम / कृष्ण

अशोक

नेल्सन मंडेला

pm of ...

महिला

"कनक-कनक ते सौ गुना मादकता अधिकाय, वा खाए बौराय जग या पाए बौराय"

'परहित सरिस धरम नहिं भाई'

Copyright – Drishti The Vision Foundation